जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

www.SaraSach.com

सारा सच अपडेट

सच्ची बात

fnYyh ls izdkf'kr fgUnh ikf{kd lekpkj i=

♦वर्ष : 6 ♦अंक : 16 ♦1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2017 ♦पृष्ठ:8 ♦मूल्य:3 रुपए हिजरी 1438 RNI NO. DELHIN/2012/41828

गुजरात में कमजोर कड़ी को दुरुस्त करने की कसरत में जुटी कांग्रेस

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव में इस बार गंभीर मंथन के साथ सियासी दांव चल रही कांग्रेस राहुल गांधी की पहले दौरे की यात्रा के बाद अब सूबे की अपनी कमजोर कड़ी को दुरुस्त करने की कसरत में जुट गई है। गुजरात के शहरी इलाकों की सीटें बीते चुनावों में कांग्रेस की सबसे कमजोर कड़ी साबित हुए हैं। इसीलिए पार्टी सूबे की 62 शहरी सीटों पर भाजपा को मजबूत चुनौती देने के लिए विशेष सियासी रणनीति पर काम कर रही है। गुजरात चुनाव से जुड़े पार्टी सूत्रों के अनुसार शहरी सीटों पर कांग्रेस की

कमजोर पकड़ से निपटने की रणनीति पर बेशक पहले से काम चल रहा है। मगर 25 से 27 सितंबर तक राहुल की पहले चरण की चुनावी यात्रा में शहरी क्षेत्र के मतदाताओं का रुझान भांपने की खास कोशिश की गई। लोगों के मूड के साथ सियासी माहौल की जमीनी थाह लेने की इस कसरत में पार्टी को सकारात्मक संकेत मिले हैं

पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि राहुल की शहरी क्षेत्रों में हुई सभाओं और कार्यक्रमों में इस बार जो गर्मजोशी दिखाई पड़ी है वह पहले की

'k"k i"B pkj ij

भगदड़ में मृतकों के परिजन को मिलेगा १० लाख रूपये का मुआवजा: गोयल

मुंबई। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि रेलवे फुट ओवर ब्रिज पर सुबह भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजन को 10–10 लाख रूपये का मुआवजा दिया जाएगा। इसकी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय के साथ ही महाराष्ट्र सरकार प्रत्येक मृतक के परिजन को अनुग्रह राशि के तौर पर पांच–पांच लाख रूपये देगी। गोयल ने कहा, राज्य सरकार ने मृतकों के परिजन को पांच लाख रूपये अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इतनी ही रकम रेल मंत्रालय ने देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि घटना में

'k"k i"B pkj ij

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन ने जवानों का हौसला बढ़ाया

श्रीनगर। रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटी अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने श्रीनगर स्थित चिनार कोर मुख्यालय में सैन्य कमांडरों के साथ बैठक में किसी भी आपात स्थिति से निपटने की सैन्य तैयारियों का जायजा भी लिया। उन्होंने घुसपैठ रोकने और दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने व कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने में नागरिक प्रशासन की हर संभव मदद का भी सैन्य कमांडरों को निर्देश दिया। गौरतलब है कि गुलाम कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक का शुक्रवार को एक साल पूरा हुआ है। रक्षा मंत्री उस चौकी पर भी गईं जहां से सर्जिकल स्ट्राइक में शामिल सैन्य दस्ते ने एलओसी पार कर आतंकी ठिकाने को तबाह किया था। रक्षा मंत्री बनने के बाद पहली बार जम्मू कश्मीर दौरे पर आईं निर्मला सीतारमण शनिवार सुबह सियाचिन में अग्रिम चौकियों का दौरा करने के बाद दिल्ली लौट जाएंगी। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे रक्षा मंत्री

एक विशेष विमान में श्रीनगर ओल्ड एयरफील्ड पर पहुंची।उनके साथ थलसेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत व रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों का एक दल भी था।

ओल्ड एयरफील्ड पर उत्तरी कमान प्रमुख लफ्टिनेंट जनरल देवराज अनबू और चिनार कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जेएस संधू ने उनका स्वागत किया। वह ओल्ड एयरफील्ड से ही सैन्य कमांडरों के साथ हेलीकॉप्टर में उत्तरी कश्मीर में एलओसी पर स्थित अग्रिम चौकियों के मुआयने के लिए रवाना हो गईं।उन्होंने कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर स्थित चौकियों पर तैनात जवानों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए सरहद के मौजूदा हालात से लेकर उनकी समस्याओं पर बातचीत की। उन्होंने जवानों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें दुश्मन के हर नापाक इरादे को नाकाम बनाने को कहा। रक्षा मंत्री ने जवानों के कल्याणार्थ केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि पूरे देश को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति और आत्मबलिदान की भावना पर नाज है। पूरा देश सरहद की हिफाजत में डटे जवानों के पीछे खड़ा है। रक्षा मंत्री ने एलओसी पर घुसपैठ रोधी तंत्र से लेकर संघर्ष विराम उल्लंघन से निपटने की तैयारियों का भी जायजा लिया।

उन्होंने चिनार कोर मुख्यालय में

'k"k i"B pkj ij

निर्धारित पार्किंग में ही खड़ी हों गाड़ियां : एलजी

नई दिल्ली। राजधानी में तीनों नगर निगम समेत रेलवे, डीडीए और मेट्रो की निर्धारित पार्किंग क्षेत्र के इर्द गिर्द की सड़कों को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने नो पार्किंग जोन घोषित करने का निर्देश दिया है। आमतौर पर देखने में आया है कि निर्धारित पार्किंग क्षेत्र के आसपास की सड़कों पर व्यस्त समय के दौरान लोग पार्किंग शुल्क से बचने के लिए गाड़ियां खड़ी कर देते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम हो जाता है। एलजी ने सरफेस, अंडरग्राउंड, मल्टीलेवल व स्टैक पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों को तत्काल प्रभाव से ऐसी सड़कों को नो पार्किंग जोन घोषित करने को कहा है।

बैजल ने सभी एजेंसियों व हितधारकों को निर्देश दिए कि वह

भीड़भाड़ वाली सड़कों व स्थानों की पहचान कर वहां वैध पार्किंग की व्यवस्था करें। यदि पास की कोई साइट

'k"k i"B pkj ij

संपादकीय

&lyhe vgen

सवाल सिर्फ स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था का नहीं

विगत दिनों दो अलग अलग निजी स्कूलों में घटित घटनाओं ने संपूर्ण देश को झकझोर कर रख दिया है । पहली घटना हरियाणा में गुरूग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल की हैं , दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रद्युम्न की हत्या उसी स्कूल के बस कंडक्टर ने यौन उत्पीड़न की कोशिश के दौरान उसी स्कूल के टॉयलेट में गला रेत कर कर दी ।हालांकि पुलिस ने आनन फानन में स्कूल परिसर से ही उक्त कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया लेकिन सबसे दुखद है कि उस टॉयलेट के सामने लगा सीसी टीवी कैमरा खराब पड़ा था । ऐसी हालात में इतने बड़े स्कूल की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े होते हैं। अगर बच्चों की सुरक्षा हेतु सीसीटीवी लगाए गए हैं तो उसका खराब होना क्या बच्चों की सुरक्षा से समझौता करना नहीं है ? एक बस का कंडक्टर स्कूल के परिसर के भीतर क्यों और कैसे आया, वो भी तब जब वो सिर्फ पिछले आठ महीने से कार्यरत था। बस कंडक्टर चाकू जैसे हथियार लेकर स्कूल के परिसर में कैसे दाखिल हो सका ? क्या इतने बड़े स्कूल परिसर में कोई जांच व्यवस्था नहीं है, वो भी तब जब देश में आए दिन आतंकवादी घटना घटित होती रहती हैं। कंडक्टर ने खुद स्वीकारा कि वह नित्य दिन शराब पीता है। तो क्या ऐसे लोग के भरोसे स्कूल प्रशासन को बच्चों को छोड़ना चाहिए ? इन सबसे बड़ा सवाल यह है कि कि इतने बड़े स्कूल में किसी ने प्रद्युम्न को टॉयलेट में न जाते देखा और न ही उक्त कंडक्टर को साथ घुसते देखा, यह कई सवाल खड़े करता है ।दूसरी घटना इस घटना के ठीक एक दिन बाद दिल्ली के शाहदरा स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में घटित हुई जब एक 5 साल की बच्ची को स्कूल के चपरासी ने ही स्कूल परिसर के एक खाली कमरा में ले जाकर न सिर्फ दुष्कर्म किया बल्कि धमकी भी दी। यह दूसरी घटना भी स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करती है। स्कूल का एक चपरासी कैसे स्कूल के बच्ची के साथ स्कूल परिसर में घूमता हुआ उसे किसी खाली कमरे में ले जाता है, किसी को कानों कान खबर तक नहीं होती है और वह दुष्कर्म करने में सफल हो जाता है। अगर स्कूल का कोई कमरा खाली था तो उसे बंद कर के क्यों नहीं रखा गया ?

दुष्कर्म करने वाला चपरासी उसी स्कूल में सुरक्षा गार्ड की भी नौकरी कई वर्षों से करता रहा था। ऐसे में यह भी जांच का विषय है कि उसने पहले भी तो कभी ऐसा नहीं किया या करता रहा है क्योंकि इतने छोटे बच्चों को धमकी मिलने के बाद मुँह खोलना या किसी से अपनी परेशानी साझा करना भी बहुत मुश्किल होता है। सवाल यह भी है कि एक ही स्कूल में कार्यरत सुरक्षा कर्मी, चपरासी की नौकरी पर क्यों रख लिया जाता है? और सबसे बड़ा सवाल कि अभिभावकों से मोटी फीस वसूलने वाले स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था का मापदंड क्या है ?

सवाल तो सरकार द्वारा उठाये गए सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठता है । क्या सरकार सभी सरकारी, गैरसरकारी स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था का नियमित ऑडिट करवाती है ? क्या स्कूल को ऐसा निर्देश है कि वो सुरक्षा व्यवस्था हेतु अनधिकृत सुरक्षा एजेंसियों की ही मदद ले और अगर ऐसा है तो क्या इसकी नियमित जांच होती है ? स्कूल में भर्ती किए गए कर्मचारी का पुलिस सत्यापन किया जाता है या नहीं ? और सबसे बड़ा सवाल क्या सभी सरकारी गैर–सरकारी स्कूलों में सीसी टीवी कैमरा अनिवार्य नहीं कर देना चाहिए ?

अगर सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था की बात करे चाहे वो सरकार की हो, पुलिस की हो, और स्कूल प्रशासन की ही क्यों न हो इन सभी से चूक की घटनाएँ निरंतर हो रही है और बढ़ती ही जा रही है इनकी कार्य शैली और सुरक्षा व्यवस्था पर तो सवाल हैं ही लेकिन एक सवाल जो सबसे अधिक सालता है कि हमारा समाज किस दिशा में बढ़ रहा है ? हम कैसे लोगों और समाज के बीच जी रहे हैं ? यौन उत्कंठा हेतु बढ़ती मानसिक विकृति, ऐसी घटनाएं अगर नहीं थमी तो सामाजिक संरचना ही धराशायी हो जाएगी।

जरूरत है जागने की, भ्रष्टाचार को मिटाने की

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुद्दे पर एतराज मात्र राजनीतिक

भारत के स्वतंत्रता के इतिहास की शुरुआत से भारत के लोकतांत्रिक राजनैतिक गलियारे में आर एस एस व उसके राष्ट्रवाद संबंधी विचार को मुददा बना कर उसके विरोध में विभिन्न राजनैतिक दल अपनी अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने की गाहे बगाहे कोशिश करते रहते हैं परन्तु सब प्रकार की राजनैतिक आलोचनाओं को दर किनारे कर आर एस एस वर्तमान में विश्व का एक मात्र सबसे बड़ा सांस्कृतिक व सामाजिक संगठन बन चुका है तथा दिन प्रतिदिन अपने सौ से अधिक आनुषंगिक संगठनों के साथ आगे ही बढ़ता जा रहा है। उसके प्रति दुर्भावना लिए राजनैतिक विरोधी कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं। उन विरोधियों में कुछ तो अपना राजनैतिक व सामाजिक अस्तित्व ही मिटा चुके हैं। विरोधियों के द्वारा आर एस एस की आलोचना के मुख्य बिन्दु इस प्रकार से हैं।

एक आरोप यह है कि आर एस एस ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान नहीं दिया तथा उसने ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध मुंह नहीं खोला। आर एस एस पर यह आरोप कतई निराधार है। सब जानते हैं कि मात्रा पांच बालकों के साथ एल एम एस की डिग्री प्राप्त डॉ. हेडगेवार ने नागपुर में 1925 में दशहरा के दिन आर एस एस का गठन किया था तथा फिर इसी शाखा को माध्यम बना कर सम्पूर्ण भारत में आर एस एस का विस्तार किया जिसमें पर्याप्त समय लगना निश्चित था। 1942 में डा. हेडगेवार व उनके साथियों ने गांधी जी के ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध असहयोग आंदोलन में सक्रिय योगदान दिया व कभी भी इस आंदोलन को कमजोर नहीं होने दिया। यह दीगर बात है कि गांधी जी भारत की स्वतंत्रता का सम्पूर्ण लाभ स्वयं ही लेना चाहते थे और उन्होंने सुभाष चंद्र बोस व आर एस एस के लोगों को आगे नहीं आने दिया।

डॉ. हेगडेवा व गुरु गोलवलकर की कामना थी कि स्वतंत्रता के नाम पर देश का बंटवारा दो राष्ट्र सिद्धांत पर न हो। गांधी जी ने इसका भरोसा भी दिलाया था और कहा था कि भारत का बंटवारा उनकी लाश पर होगा। देश का बंटवारा भी हुआ और गांधी जी जिन्दा भी रहे। आर एस एस की स्थापना के मात्र इक्कीस वर्ष में देश को स्वतंत्रता मिल गई थी तथा 1948 में पाकिस्तान ने भारत पर आक्रमण कर दिया। पाकिस्तान से लुटे पिटे व साधनहीन होकर आ रहे हिन्दुओं को शरणार्थी के रुप में भारत में पुनर्स्थापित करने में आर एस एस ने अपनी बहुत गम्भीर भूमिका निभाई थी जो एक ऐतिहासिक सच है अतः यह आरोप कतई निराधार है। गांधी जी व कांग्रेस स्वतंत्रता का सम्पूर्ण श्रेय लेना चाहते थे इसलिए आर एस एस को बदनाम करने का षड्यंत्र चलाया गया था। इस षड्यंत्र को गति गांधी जी के वध के दौरान और तीव्र कर दी गई। गांधी जी के वध का ठीकरा भी आर एस एस के सिर पर फोड़ते हुए कांग्रेस ने आर एस एस पर पहला प्रतिबंध लगवा दिया परन्तु सच्चाई सामने आने पर कुछ ही महीनों में आर एस एस पर से प्रतिबंध हटा भी लिया गया था।

आर एस एस पर दूसरा आरोप यह लगता है कि वह देश में हिन्दुत्ववादी राष्ट्रवाद को थोपना चाहता है। इस बात का आरोप मुख्यतः कु. मायावती सहित अन्य प्रमुख वामपंथी दलों के नेता लगाते हैं और इसको आर एस एस का दूसरा एजेंडा कहते हैं। इस प्रकार के सभी राजनेता यह बयान देते हैं कि देशभक्ति व राष्ट्रवाद के नाम पर असहिष्णुता बढती है व आजादी को दबाया जाता है व धर्मनिरपेक्षता के मूल्य पर चोट की जाती है।

सारा सच अपडेट के सक्रिय लेखक

vfer R;kxh
शाहजहापुर, (यू.पी.)
nhfIr 'kek
आगरा (यू.पी.)
iue 'kDyk
गुड़गांव
Mk- uhjt Hkkj}kt
दिल्ली
r'kkj jkt jLrkxh
दिल्ली
foHkkjkuh JhokLro
बेगुसराय (बिहार)
j[kk tk'kh
फरीदाबाद
Hkkouk flUgk
गया (बिहार)
Lkyhek vkfjQ
जकिर नगर
Lkèkk jkt
शेरकोट
Mk- unyky Hkkjrh
इंदौर, (मप्र)
dYiuk lekuh
नवी मुंबई
drh e[kth
लखनऊ (यूपी)
itk JhokLro
सिहोर (मप्र)
'kf'k JhokLro
नई दिल्ली
Mk- i#'kkÙke eh.kk
if.kek 'kek
मुरादाबाद (यूपी)
vueky 'kek
बागपत (यूपी)
d-lh- oek
पटियाला
lkftn vyh खुरेजी

आखिर कब तक ?

'kcue [kku

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4.यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA) N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail :Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

pUlh rkM

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&fy[k&
e[; lEikndk % lyhe vgen
सारा सच अपडेट
12@596 xyh ucj% 2] oLV x: vtn uxj]
y{eh uxj] fnYyh&110092
E-mail : sarasach99@gmail.com

सारा सच (अपडेट)

ikf{kd fgUnh lekpkj i=
&e[; lEikndk&
सलीम अहमद
&lg lEikndk&
उमेश कुमार झा
शाहनवाज सिद्दीकी
&lykgdkj&
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
&Nk;kdkj&
सुधीर कुमार, साजिद अली
C;jk@foKkiu ifrfufèk
&fnYyh&
रविन्दर कुमार,, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
&jktLFkku&
जयपुर–विशाल चौहान
&fgekpy ins'k&
शिमला
शान मो. खान
&mÙkj ins'k&
आगरा–हसीब हुसैन
अलीगढ़–मो. फरूख
फिरोजाबाद–फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर–मो. इलियास

आप विधायकों का उपराज्यपाल पर हमला

नई दिल्ली। विधानसभा समितियों को प्राप्त शक्तियों के असंवैधानिक बताने के उपराज्यपाल के आदेश पर आप विधायकों ने कड़ा एतराज जताया। समितियों से जुड़े आप के चार विधायक मीडिया के सामने अपनी बात रखने के लिए पार्टी दफ्तर पहुंचे। उन्होंने कहा कि समितियां संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं कर रही हैं, वे सिर्फ अधिकारियों को जवाबदेह बना रही है।

आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने सवाल किया कि समितिया जनहित के लिए काम कर रही है, तो उससे उपराज्यपाल को क्या परेशानी हो रही है। अधिकारियों पर दबाव की बात गलत है। विधायक किस बात के लिए दबाव बनाएंगे। अगर अधिकारियों ने ठीक से काम किया है, तो वे समितियों के सामने आकड़ों के साथ फाइल रख सकते है। गड़बड़ी होने पर ही किसी अधिकारी को दिक्कत हो सकती है। यह बेहद खेद का विषय है कि उपराज्यपाल कार्यालय के अधिकारी मीडिया में खबरे लीक कर रहे है। उन्होंने कहा कि जब समितिया अधिकारियों को बुलाती है, तो बिना मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री को संज्ञान में लाए उन्हे छुट्टी दे दी जाती है। क्या उपराज्यपाल की नियुक्ति अधिकारियों को बचाने लिए की गई है? आप विधायक राजेश गुप्ता, विशेष रवि, संजीव झा ने उपराज्यपाल पर केंद्र के इशारे में काम करने का आरोप लगाया।

छठ पूजा के लिए चार सौ घाटों पर पुख्ता इंतजाम के आदेश

नई दिल्ली। यमुना नदी के जिन घाटों पर छठ पूजा का आयोजन होता है, वहां टेंट लगाने से लेकर साफ–सफाई, चिकित्सा सुविधा व अन्य इंतजाम दिल्ली सरकार करेगी। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने राजस्व विभाग को छठ पूजा के लिए चिह्नित चार सौ घाटों पर पुख्ता इंतजाम करने के आदेश दिए। पिछले दिनों राजनिवास में हुई बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने भी दिल्ली सरकार व स्थानीय एजेंसियों को छठ पूजा की तैयारियों के लिए कवायद शुरू करने के आदेश दिए थे। सुरक्षा के लिहाज से यहां कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए यमुना किनारे बनाए गए घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस बार प्रशासन ने भक्तों की भीड़ को संभालने के लिए घाटों की लंबाई बढ़ा दी है और कम गहरे पानी वाली जगह को पूजा के लिए इस्तेमाल लायक बनाया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष ने की समितियों की शक्तियां वापस लेने के कदम की निंदा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने उपराज्यपाल अनिल बैजल के सदन की समितियों की शक्तियां वापस लेने के कदम की निंदा की है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की समितियों के संबंध में उपराज्यपाल ने केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिखा और इसकी जानकारी उन्हें भी दी गई, यह गोपनीय विषय था। उपराज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष दोनों ही किसी पार्टी से ताल्लुक नहीं रखते हैं। इस नाते इस तरह के पत्राचार की बातें सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए थीं। उन्होंने कहा कि समितियों की शक्तियां खत्म करने के संबंध में उपराज्यपाल ने पत्र लिखा था, उसमें कहा गया था कि इसे आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सदन पटल में रखा जाए, ताकि इस पर जनप्रतिनिधियों की राय भी पता चल सके। इससे पहले ही जानकारी मीडिया के जरिए सार्वजनिक हो गई।दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को सदन की संवैधानिक शक्ति का हवाला देते हुए इन समितियों की शक्तियां वापस न लेने की सलाह दी है। बता दें कि गत जुलाई में उपराज्यपाल अनिल बैजल ने विभाग संबंधी स्थायी समितियों (डीआरडीसी) की शक्तिया वापस लेने की मांग करते हुए तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव राजीव महर्षि को पत्र लिखा था। इसके बाद 15 सितंबर को उपराज्यपाल कार्यालय की तरफ से दोबारा केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिखकर समितियों की शक्तियां रद करने की सिफारिश की है।

पेट्रोल–डीजल के बढ़े दामों का कांग्रेस हजारों कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय माकन के नेतृत्व में कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल व डीजल के बढ़े हुए दामों के खिलाफ मंडी हाउस से संसद तक मानव श्रृंखला बनाई। कार्यकर्ता हाथों में तख्तिया एवं बैनर लेकर बढ़े दाम कम करने की मांग कर रहे थे। इस अवसर माकन ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के लिए मोदी व केजरीवाल सरकार जिम्मेदार है। मोदी सरकार ने 3 वर्ष के कार्यकाल में 11 बार पेट्रोल व डीजल पर एक्साईज ड्यूटी बढ़ाई है जिसके कारण मई 2014 से अब तक पेट्रोल पर 133.47 फीसद तथा डीजल पर 400.86 फीसद एक्साइज की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार केजरीवाल सरकार ने कानून में संशोधन करके पेट्रोल एवं डीजल पर वेट की दरों को 20 फीसद से बढ़ाकर 30 फीसद करते हुए वेट को दो बार बढ़ा दिया। इस कारण पेट्रोल पर 73.34 फीसद व डीजल पर 91.31 फीसद वेट बढ़ा। माकन ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि श्रीलंका जैसा देश जो भारत से पेट्रोल खरीदता है और भारत से बहुत सस्ते दामों पर अपने देश में बेचता है, क्योंकि वहां इस पर अनाप–शनाप टैक्स नहीं लगाए गए हैं।

मानव श्रृंखला में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी पीसी चाको, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव नसीब सिंह और देवेंद्र यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, मुख्य प्रवक्ता शर्मिष्ठा मुखर्जी, पूर्व सासद सज्जन कुमार, महाबल मिश्रा और रमेश कुमार, पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार डॉ. नरेंद्र नाथ और किरण वालिया, पूर्व विधायक मुकेश शर्मा, मतीन अहमद, हरी शकर गुप्ता, सुरेंद्र कुमार, सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू, भीष्म शर्मा, अनिल चौधरी, ब्रह्म यादव, चतर सिंह, महमूद जिया, फरहाद सूरी, जगजीवन शर्मा मेहदी माजिद, सभी जिला अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष, निगम पार्षद मौजूद थे।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DDC
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I
Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58
Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100
Old Mahavir Nagar, Near
Mangla Hospital, New Delhi-18

Jolly Graphics
Offset, Multicolor, Screen Printing & Designing
Visiting-Wedding Card, Bill Book, Letterpad, Pamplate, Brochure, Sticker, Plasto ID Card, Keyring, Pan, Beg, Calender, Flex Board, Banner, Standy etc.
Video, Photography Marriege & Other Programme
(M) +91-9560135171, 9312007017
E-mail: jollygraphics171@gmail.com/ahmeddesigner433@gmail.com

AMAR VIDEO
STILL PHOTOGRAPHY & VIDEO COVERAGE WITH MIXING & COMPUTERISED EFFECTS
7/27, Geeta Colony, Delhi-110031
Ph. : 2434612 Mob. : 98103-68380
Amarjit Singh

Sara ENTERPRISES
Complete I.T. Solution &Service Management, Printing & Publication
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara ENTERPRISES
Construction, Maintenance , Finishing Work & Inerior Decorator
+91-999-000-7067
www.Sara Enterprises.in

Sara ENTERPRISES
Provide Security Guards, Conservancy Service & Man Power
+91-999-000-4667
www.Sara Enterprises.in

मार्केटिंग, एक्जिक्यूटिव, डिस्टीब्यूटर तथा विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें

सारा अपडेट को चाहिए मेहनती, संघर्षशील, जुझारू ब्यूरो चीफ (सभी जिला), संवाददाता

पाठकों के लिए विशेष

जो भी पाठक अच्छी कहानी, कविताएं खबर इत्यादि देगा उसे मीडिया से जुड़ने का मौका मिलेगा

विज्ञापन
nk d lkFk ,d Ýh
;k
30 ifr'kr dh NV

हमारे समाचार पत्र के जरिए अपने व्यापार को बढ़ाएं या वेबसाइट पर अपनी पब्लिसिटी के लिए सम्पर्क करें

सारा! सच Update
सम्पर्क करें:
91-999-000-7067
www.sarasach.com
Email : sarasach99@Gmail.com

धैर्य और ईमान की कमी बेरोजगारी के लिए वरदान

कैंसर रूपी जटिल बीमारी देश को खोखला करती जा रही है। युवा वतन कहे जाने वाले भारत वर्ष के अधिकांश युवा इस बीमारी की जंजीरों में जकड़े हुये प्रतीत हो रहे है। बेरोजगारी नामक इस बीमारी के लिये जितनी जिम्मेदार हमारी सरकार है, उतना ही जिम्मेदार हमारा समाज क्योंकि ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती।

सत्ता के सिंहासन पर बैठे हमारे जनप्रतिनिधि निजी स्वार्थ की पूर्ति करते हुये गूंगे बहरे बने बैठे हुये हैं। यदि यह कहा जाये कि वे संवेदनहीन हो चुके हैं तो यह कहना बिलकुल भी मिथ्या नहीं होगा। निजी स्वार्थों की पूर्ति करते–करते जनता के दुःख दर्दों से सरोकार तो सिर्फ दिखावा मात्र रह जाता है। जनता के लिये याद रह जाता है तो वो सिर्फ और सिर्फ एक शब्द 'निन्दा' जिसे मौका मिलते ही अपने चाशनी युक्त शब्दों के माध्यम से जनता के सामने रखने में वे कोई कोरी कसर नहीं छोड़ते।

खैर, सीधा विषय की ओर रूख करते हैं क्योंकि अभी तक आप को यह बात पच नहीं पा रही होगी कि 'धैर्य और ईमान की कमी बेरोजगारी के लिये वरदान साबित हो रही है।' चिन्ता न कीजिये, धैर्य रखिये। आपको आपके जहन में उठ रहे सवालों के जवाब भी मिल जायेंगे।

आप अपने सवाल का जवाब इसी बात से हासिल कर सकते है कि धैर्य की कमी कैसे बेरोजगारी के लिये वरदान साबित हो रही है ? अक्सर समाचार पत्रा पत्रिकाओं एवं न्यूज चैनलों पर ऐसे समाचार देखने को मिल जायेंगे जिनमें स्पष्ट रूप से आवेदक के अन्दर धैर्य की कमी देखने को मिल जायेगी। उदाहरण के तौर पर किसी विभाग में किसी पद के लिये 800 रिक्त जगह के लिये आवेदन मांगे जाते है और उस पद के लिये आवेदन करने वाले विद्यार्थी की योग्यता का मानक हाईस्कूल तय किया जाता है लेकिन आवेदन जमा करने की अन्तिम तिथि बीत जाने के बाद जो परिणाम सामने दिखाई देते हैं वो निश्चित तौर पर अविश्वसनीय, अकल्पनीय, एवं शर्मनाक होते है क्योंकि जिन 800 पदों के लिये आवेदन हाईस्कूल की अर्हता पूर्ण करने वाले आवेदकों से मांगे जाते हैं, उसके लिये 34000 आवेदन प्राप्त होते है।

बड़ी संख्या में आये आवेदन बेरोजगारी के साम्राज्य की स्पष्ट गाथा का बखान कर रहे हैं किन्तु आश्चर्यजनक बात तो यह है कि जिस पद के लिये योग्यता के मानक मात्रा हाईस्कूल निर्धारित थे उस पद के लिये स्नातक, परास्नातक, विद्यावाचस्पति आदि के साथ–साथ अभियांत्रिकी व चिकित्सा के विद्यार्थी भी अपने आवेदन इस तुच्छ पद के लिये करते है। समझदार तो आप भी है इसलिये इस बात की गहराई तक स्वतः पहुंचने में खुद को नाकामयाब महसूस नहीं कर रहें होंगे कि जब स्नातक, परास्नातक, विद्यावाचस्पति आदि के साथ–साथ अभियांत्रिकी व चिकित्सा जैसी डिग्री धारकों द्वारा ऐसे पद के लिये आवेदन कर दिया जाता है जो उनके लिये सर्वथा अयोग्य है तो ऐसी स्थिति में क्या हाईस्कूल पास आवेदक अपने रोजगार का सपना पूरा कर सकेंगे ? बिलकुल नहीं।

बड़ी संख्या में आये आवेदन बेरोजगारी के साम्राज्य की स्पष्ट गाथा का बखान कर रहे हैं किन्तु आश्चर्यजनक बात तो यह है कि जिस पद के लिये योग्यता के मानक मात्र हाईस्कूल निर्धारित थे उस पद के लिये स्नातक, परास्नातक, विद्यावाचस्पति आदि के साथ–साथ अभियांत्रिकी व चिकित्सा के विद्यार्थी भी अपने आवेदन इस तुच्छ पद के लिये करते है। समझदार तो आप भी है इसलिये इस बात की गहराई तक स्वतः पहुंचने में खुद को नाकामयाब महसूस नहीं कर रहें होंगे।

अब प्रश्नचिन्ह लगता है इस बात पर कि ईमान की कमी कैसे बेरोजगारी को बढ़ावा देने में सहायक साबित हो रही है ? इस छोटे लेकिन गम्भीर सवाल का जवाब भी एक छोटे से उदाहरण का चित्रण कर सामने लाने का प्रयास करते है।

मान लीजिये आपने किसी शासकीय विभाग में रिक्त पद के लिये आवेदन किया है, विभाग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का भी नियमानुसार पालन किया है लेकिन दुर्भाग्य और बदकिस्मती ये परिणाम आशाजनक और सकारात्मक नहीं आते तो अपने निजी स्वार्थ की पूर्ति हेतु अदालत की शरण में जाकर रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पर रोक लगवा दी जाती है। रोक के उपरान्त प्रक्रिया के आगाज से अन्जाम तक की पूरी जांच कराने के दिशा–निर्देश जारी हो जाते है। इस प्रक्रिया के ठोस निर्णय तक पहुंचने में एक लम्बा वक्त लग जाता है जिस कारण हजारों युवाओं की रोजगार की उम्मीद अधर में लटक जाती है।

पिछले कुछ वर्षों का सत्यता व निष्पक्षता के पायदान पर खड़े होकर आंकलन करें तो रोजगार के लिये उपर्युक्त प्रकिया का नियम सा बन गया है कि पहले चरण में रिक्त पदों के लिये आवेदन, द्वितीय में परीक्षा, तृतीय चरण में अदालत की रोक व जांच, इसके बाद तब कहीं जाकर रोजगार की आस पूरी होती है।

ज्यादा कुछ न कहते हुये इस बात के साथ अपनी कलम को आराम देते है कि बेरोजगारी के लिये सिर्फ सरकार को न कोस कर सिर्फ सरकार खुद की गिरेबान में झांककर खुद को सुधारिये क्योंकि जनता सरकार का निर्माण करती है न कि सरकार जनता का। कहा भी गया है कि हम बदलेंगे, जग बदलेगा। हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा।

लोकतंत्र और संत

भारतीय लोकतंत्र अनेकों विशेषताओं से विभूषित है। यह दुनिया की सर्वोत्तम शासन प्रणाली है। भारतीय लोकतंत्र गंगा मैया की तरह उदार है। गंगा मैया अपने उदर में सारे कलुष धार लेती है। दूसरे शब्दों में सारा कलुष अपने भीतर समाहित कर इन्हें पावन कर देती है। हमारा लोकतंत्र भी ठीक इसी तरह उदार है। सारा कलंक समेटने के बाद भी कहीं कालिख का चिन्ह नहीं दिखाई देता। लोकतंत्र का आलोक इतना तेज है कि महान से महानतम् कालिख भी अदृश्य हो जाती है। आत्मा अर्थात् अदृश्य तत्व, अदृश्यता के बावजूद भी सर्वस्वीकार्य। आत्मा की सत्ता से दुनिया मे किसी को इन्कार नही है। प्रत्येक व्यक्ति के भीतर अदृश्य आत्मा का वास है। कोई भी प्राणी, कोई धर्म, कोई जाति, कोई सम्प्रदाय, कोई देश, कोई मानव ऐसा नहीं है जो आत्मा की सच्चाई को झुठला सके क्योंकि आत्मा शाश्वत सत्य है।

भारतीय लोकतंत्र की भी आत्मा है। वह भी जीवित है। राजनैतिक दल लोकतंत्र की आत्मा हैं। अब यहॉ इस विवाद के लिए कोई स्थान नहीं कि लोकतंत्र की आत्मा जनता होती है। यह तथ्य मृगतृष्णा है।

वस्तुतः भारतीय लोकतंत्र केले का बाग है जिसके खम्भे पर एक घड़ा लटकता है। इस घड़े में सैकड़ों केले हैं। जनता छिलका है जिसे केले के पकने (पाने) के बाद छीलकर फेंक दिया जाता है। राजनैतिक दल तो वह गूदा है जिसमें मीठा स्वाद होता है।

इस केले के फल अथवा स्वाद का उपभोग करने के अनन्त तौर तरीके हैं। यह तो रसिक (नेता) पर निर्भर करता है कि वह इसका कितना और कैसा उपभोग करता है।भरतीय लोकतंत्र की आत्मा इतनी दागदार है कि किसी नए दाग के लिए स्थान ही नहीं बचा है किन्तु खूबसूरती यह कि आत्मा अदृश्य है। हमारे सभी राजनैतिक दल इतने दागदार हैं कि इनकी काया ही दाग से बनी दिखाई देगी पर आत्मा अदृश्य होती है और अदृश्य पर कितना ही दाग लगा हो, कोई फर्क नहीं पड़ता।

हमारा दुर्भाग्य है कि देश के सभी दल स्वार्थ की राजनीति में जुटे हुए हैं। हर दल सत्ता के सिहांसन पर आसीन रहना चाहता है। अपनी इस चाहत की पूर्ति के लिए वह कोई भी कृत्य करता है। इसे ज्ञात है कि कृत्य तो कृत्य होता है। इसमें गलत कभी कुछ नहीं होता। सब जायज होता है।

भारतीय राजनीति और संतों में चोली दामन का सम्बन्ध है। इन दोनों में संतों के समक्ष राजनीति सबसे ज्यादा आस्तिक है। हमारे नेता न हों तो समूचा राष्ट्र नास्तिक हो जायेगा। संतों के दरबार की शोभा यही बढ़ाते हैं। जब कोई बड़ा नेता किसी दरबार मे हाजिरी लगाता है उसके बाद से दसके दरबार में सैलाब उमड़ पड़ता है। कल तक जिस संत के दरबार में केवल मक्खियां ही भिनभिनाती थी, अब वहॉ एडवांस बुकिंग चल पड़ती है।

नेताओं की आस्तिकता स्वाभाविक है। इनकी जागी आस्था वोटों के लिए होती है। यही वोट इनकी जीवन रेखा है। नेताओं की आस्था यदि परमार्थ केन्द्रित हो तो निः सन्देह भारत स्वर्ग बन जाएगा किन्तु दुर्भाग्य, ऐसा होता नहीं। संतों के पास हजारों एकड़ जमीन होती हैं। क्या ये संत जमीन लेकर पैदा होते हैं या सरकार के रहमो करम से ऐसा होता है? संतों के समक्ष सरकार भी नत मस्तक रहती है। इन दोनों को परस्पर आवश्यकता है। राजनीति के सहारे संत फलते फूलते हैं और संतो के सहारे राजनीति। दोनों ही परस्पर अवलम्बित हैं। संत से आशय है सीधा–सरल जीवन व्यतीत करने वाला महाज्ञानी किन्तु परिदृश्य इसके विपरीत है। जिसके भीतर सम्पूर्ण राजसी ठाठ के दर्शन हों वही संत है। चाहे वह आशाराम हो, राधे मां, रामपाल या राम रहीम, आस्तिकता के विपरीत लक्षणों से नख–शिख मण्डित व्यक्ति संत कहलाता है। इनके चरणों में सरकारी धन की गंगा बहती है।

भारतीय समाज में संत सर्वशक्तिमान सत्ता है। राजनीतिज्ञ इनके दास, चारण हैं। आम आदमी बन्दी है। इनका आश्रम स्वर्ग है; आम आदमी के लिए कामधेनू। संताश्रम सभ्य समाज को लूटने का वैधानिक केन्द्र है। असभ्य समाज पंडों और ओझाओं के चंगुल मे फॅसा हुआ है। कुल मिलाकर समूचा भारतीय समाज अंधविश्वास में जकड़ा हुआ है। स्तर में भिन्नता अवश्य है। हर आदमी, अपनी गाढ़ी कमाई इनके चरणों में आस्था से समर्पित करता है। इसी पूॅजी से अपना मायालोक रचते और विस्तार करते हैं। संतो के पास इनके अंधभक्त होते है। यह एक ऐसा अमोघ अस्त्रा है जिसके कारण राजनीति के सर पर वरद् हस्त रख कर सरकार के सिर पर छतरी रखने में सफल हो जाती है। अब सरकार की विवशता होती है कि वह इसी छतरी के साए में सुखद शीतलता का अनुभव करे। इसके बाहर की धूप बर्दाश्त करने मे सरकार सक्षम नहीं है।

प्रथम पृष्ठ के शेष

गुजरात में कमजोर...

तुलना में कहीं ज्यादा है। इसीलिए राहुल के अगले दौरे में भी शहरी इलाकों में उनके संवाद और कार्यक्रमों को मध्यम वर्ग तथा निम्न मध्यमवर्ग से जोड़ने पर खास फोकस किया जाएगा। राहुल की यात्रा की कामयाबी से उत्साहित होने के बावजूद कांग्रेस रणनीतिकार भी मान रहे कि अगले चुनाव में गुजरात की सत्ता का फैसला शहरी सीटों से ही होगा। विधानसभा की 182 में से 62 शहरी सीटें हैं। कांग्रेस शहरी सीटों में लगभग सफाए की हालत में ही रही है। जबकि ग्रामीण इलाकों की 120 सीटों में भाजपा और कांग्रेस के बीच लगभग बराबर का मुकाबला रहता है।

कांग्रेस की रणनीति यही है कि शहरी सीटों पर भी कांटे का मुकाबला बना चुनाव में करिश्मे की उम्मीद का दरवाजा खुला होने का संदेश दिया जा सके। कांग्रेस के चुनावी रणनीतिकारों के अनुसार निसंदेह संगठन के स्तर पर शहरी इलाकों में भाजपा ज्यादा मजबूत है मगर अर्थव्यवस्था और कारोबार की कमजोर हालत इस चुनाव में कांग्रेस के लिए निर्णायक साबित हो सकती हैं। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले सूरत और बड़ौदा जैसे कारोबारी शहरों में भी नोटंबदी और जीएसटी के प्रतिकूल असर से एक बड़े वर्ग में असंतोष पनप रहा है। मध्यम और कारोबारी जगत के इस असंतोष को भाजपा के खिलाफ मोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

भगदड़ में मृतकों के...

गंभीर रूप से घायलों को एक लाख रूपये और मामूली रूप से घायलों को 50000 रूपये दिए जाएंगे। उन्होंने उपनगर ट्रेन नेटवर्क में सभी एफओबी की पूरी 'सुरक्षा और क्षमता' जांच कराने की घोषणा की। केईएम अस्पताल में यहां गोयल ने कहा कि घटना पर जांच रिपोर्ट 10 दिनों में आएगी। हालांकि, उन्होंने भगदड़ के शुरूआती कारणों के बारे में कुछ बताने से इंकार किया। वित्तीय राजधानी में 100 अतिरिक्त उपनगरीय सेवा के प्रस्तावित उद्घाटन के लिए आज सुबह मुंबई पहुंचे मंत्री ने घटना के मद्देनजर अपने सभी पूर्व कार्यक्रम रद्द कर दिए। घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए गोयल ने कहा कि एलिफिंस्टन रोड पर नया पुल बनाने के लिए बजट का आवंटन हो चुका है और निविदा प्रक्रिया चल रही है।

निर्धारित पार्किंग में ही...

उपलब्ध नहीं है तो उचित दूरी पर ऐसी जगहों की पहचान की जा सकती है जहां से शटल सेवा के जरिए लोग आवाजाही कर सकें। पार्किंग व ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर राजनिवास में बुलाई गई बैठक में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव से लेकर स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के दौरान तीनों नगर निगमों के आयुक्त, डीडीए के प्रधान आयुक्त, एनडीएमसी और डीएमआरसी के प्रतिनिधियों ने उपराज्यपाल को दिल्ली में पार्किंग की मौजूदा स्थिति की जानकारी भी दी।

रक्षा मंत्री निर्मला...

सभी प्रमुख सैन्य कमांडरों के साथ जम्मू कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लेकर एलओसी के मौजूदा हालात, किसी भी आपात स्थिति से निपटने की सैन्य तैयारियों और जम्मू कश्मीर में आतंकरोधी सैन्य अभियानों की समीक्षा की। सैन्य कमांडरों ने उन्हें बताया कि सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों व नागरिक प्रशासन के साथ पूरा समन्वय बनाया गया है।

आक का पौधा कई बीमारियों का इलाज

–फहमीना

भारत के लगभग सभी प्रांतों में पाया जाने वाला आक आस्ले पिआदसी परिवार का सदस्य है। इसका वानस्पतिक नाम कालोत्रोपिस प्रोचेरा (ऐटन) आर ब्राउन है। गरम और शुष्क स्थानों पर यह विशेष रूप से पाया जाता है। अक्सर इसे नदीघ्नालों की पटरियों तथा रेलवे लाइन के किनारे–किनारे उगा देखा जा सकता है। यह बहुतायत में पाया जाता है। क्योंकि पशु इसे नुकसान नहीं पहुंचाते।

आक एक झाड़ीनुमा पौधा है जिसकी ऊंचाई 5 से 8 फीट होती है। इसके फूल जामनी–लाल बाहर से रूपहले होते हैं। आक के सभी अंग मोम जैसी सफेद परत से ढंके रहते हैं। इसके सभी अंगों से सफेद दूध जैसा तरल पदार्थ निकलता है। जिसे आक का दूध कहते हैं। आक प्रायः दो प्रकार का होता है लाल तथा सफेद। लाल आक आसानी से सब जगह पाया जाता है। यों तो यह पौधा वर्ष भर फलता–फूलता है। परन्तु सर्दियों के मौसम में यह विशेष रूप से बढ़ता है।आक के सभी अंग जड़, पत्ते, फूल एवं दूध औषधि के रूप में बहुत उपयोगी होते हैं। आक के जड़ की छाल तिक्त, पाचक, दीमक, वामक एवं बल्य रसायन युक्त होती है। इसके पत्तों एवं डंठलों में कैलॉट्रोपिन तथा कैलॉट्रोपेगिन रसायन पाए जाते हैं।चोट–मोच, जोड़ों की सूजन (शोथ) में आक के दूध में नमक मिलाकर लगाना चाहिए। आक के दूध को हल्दी और तिल के साथ उबालकर मालिश करने से आयवात, त्वचा रोग, दाद, छाजन आदि ठीक होता है। आक की छाल के प्रयोग से पाचन संस्थान मजबूत होता है। अतिसार और आव होने की स्थिति में भी आक की छाल लाभदायक सिद्ध होती है। इससे रोगी को वमन की आशंका भी कम होती है। मरोड़ के दस्त होने पर आक के जड़ की छाल 200 ग्राम, जीरा तथा जवाखार 100–100 ग्राम और अफीम 50 ग्राम सबको महीन चूर्ण करके पानी के साथ गीला करके छोटी–छोटी गोलियां बना लें। रोगी को एक–एक गोली दिन में तीन बार दें इससे तुरन्त लाभ होगा।

त्वचीय रोगों के इलाज में आक विशेष रूप से उपयोगी होता है। लगभग सभी त्वचा रोगों में आक की छाल को पानी में घिसकर प्रभावित भाग पर लगाया जाता है। यदि त्वचा पर खुजली अधिक हो तो छाल को नीम के तेल में घिसकर लगाया जा सकता है। श्वेत कुष्ठ में भी इसके प्रयोग से फायदा मिलता है। आक के सूखे पत्तों का चूर्ण श्वेत कुष्ठ प्रभावित स्थानों पर लगाने से तुरन्त लाभ मिलता है। इस चूर्ण को किसी तेल या मलहम में मिलाकर भी लगाया जा सकता है। बिच्छू के काटने पर विष उतारने के लिए आक की जड़ को पानी में पीसकर लेप लगाया जाता है। कुत्ते के काट लेने पर दंश स्थान पर या काटने से बने घाव में आक का दूध अच्छी तरह भर देना चाहिए। इससे विष का प्रभाव खत्म हो जाता है और फिर कोई परेशानी नहीं होती। आक के पत्तों का चूर्ण लगाने से पुराने से पुराना घाव भी ठीक हो जाता है। कांटा, फांस आदि चुभने पर आक के पत्ते में तेल चुपड़कर उसे गर्म करके बांधते हैं। जीर्ण ज्वर के इलाज के लिए आक को कुचलकर लगभग बारह घंटे गर्म पानी में भिगो दे, इसके बाद इसे खूब रगड़–रगड़ कर कपड़े से छान कर इसका सेवन करें इससे शीघ्र फायदा पहुंचता है। मलेरिया के बुखार में इसकी छाल पान से खिलाते हैं। किसी गुम चोट पर मोच के इलाज के लिए आक के पत्ते को सरसों के तेल में पकाकर उससे मालिश करनी चाहिए। कान और कनपटी में गांठ निकलने एवं सूजन होने पर आक के पत्ते पर चिकनाई लगाकर हल्का गर्म करके बांधते हैं। कान में दर्द हो तो आक के सूखे पत्ते पर घी लगाकर, आग पर सेंककर उसका रस निकालकर ठंडा कर कान में एक बूंद डालें। खांसी होने पर आक के फूलों को राब में उबालकर सेवन करने से आराम पहुंचता है। दमे के उपचार के लिए तो आक एक रामबाण औषधि है।

आक के पीले पड़े पत्ते लेकर चूना तथा नमक बराबर मात्रा में लेकर, पानी में घोलकर उसके पत्तों पर लेप करें। इन पत्तों को धूप में सुखाकर मिट्टी की हांडी में बंद करके उपलों की आग में रखकर भस्म बना लें। इस भस्म की दोघ्दो ग्राम मात्रा का दिन में दो बार सेवन करने से दमे में आश्चर्यजनक लाभ होता है। इस दवा के सेवन के साथ–साथ यह भी जरूरी है कि रोगी दही तथा खटाई का सेवन नहीं करे।

स्वास्थ के लिए लाभदायक है चेरी

खट्टे–मीठे स्वाद के कारण चेरी को 'रेड हॉट सुपर फल' का दर्जा दिया गया है। छोटे–से बीज और रसीले गूदे वाली चेरी पौष्टिक तत्वों से भरपूर और स्वास्थ्यवर्द्धक गुणों की खान है। चेरी की दो किस्में ज्यादा प्रचलित हैं– मीठी और तीखी चेरी। चेरी के पतले लाल रंग के छिलके में पोलीफिनोलिक फ्लेवोनॉयड जैसे एंटीऑक्सीडेंट गुण भी पाए जाते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस जैसे खनिज लवण पाए जाते हैं जो इसे हमारी सेहत का खजाना बना देते हैं।

otu ?kVkus esa lgk;d

चेरी में वसा बहुत कम होती है और पानी की मात्रा करीब 75 प्रतिशत होती है। यह घुलनशील फाइबर का अच्छा स्रोत है। इसके नियमित सेवन से ऊर्जा के स्तर को बढ़ावा मिलता है।

यह शरीर में चयापचय प्रक्रिया को ठीक करता है। यह आंतों द्वारा कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमी कर देता है जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

dCt jkdus esa enn

चेरी फाइबर का अच्छा स्रोत होता है। 10 चेरी में करीब 1.4 ग्राम फाइबर होता है जो दैनिक जरूरत का 10 प्रतिशत होता है। फाइबर से बेहतर पाचन में मदद मिलती है और कब्ज की शिकायत दूर होती है। गुर्दे और जिगर के लिए चेरी के पोषक तत्व क्लींजर का काम करते हैं।

;kìk'r c<kus esa ennxkj

चेरी में मौजूद एंथोसियानिन मस्तिष्क के लिए लाभदायक है। यह हमारी याद्दाश्त बढ़ाने में मदद करता है।

eklisf'k;ksa dh olwyh

एथलीटों या व्यायाम करने वालों के लिए चेरी का सेवन काफी फायदेमंद है। इससे उन्हें मांसपेशियों में होने वाली दर्द से तो राहत मिलती ही है। सप्ताहांत में दिया गया चेरी का रस उनके लिए पूरक का काम करता है।

fdruh ek=k esa lsou: वैज्ञानिकों के अनुसार एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए रोजाना 50–100 ग्राम चेरी का सेवन आदर्श पैमाना है। वैसे स्वास्थ्य लाभ पाने के लिए रोजाना 250 ग्राम तक चेरी खाने की सलाह दी जाती है। हृदय रोगों के जोखिम को कम करता हैचेरी पोटेशियम, लोहा, जस्ता, मैगनीज जैसे खनिज लवणों का अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद क्यूर्सेटिन और बीटा–कैरोटीन हृदय रोगों को रोकने में मदद करता है। पोटेशियम खून में मौजूद सोडियम को कम करता है जिससे रक्तचाप पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण हो पाता है।

इसके नियमित सेवन से कोलेस्ट्रोल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है। दिल के रोग और हृदय रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

dSalj ls yM+us esa l{ke

चेरी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेट तत्व शरीर में कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं। यह शरीर में रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इसमें फिनॉनिक एसिड और फ्लेवोनॉयड होता है जो शरीर में कैंसर के टिशूज को बढ़ने से रोकता है। खासकर बड़ी आंत के कैंसर के जोखिम को कम करता है।

xfB;k ds nnZ ls jkgr igqpk,

चेरी में मौजूद एंथोसियानिन गठिया से पीड़ित लोगों को दर्द से राहत दिलाता है। गठिया होने पर शरीर में यूरिक एसिड बहुत ज्यादा बनता है जिससे जोड़ों में विशेषकर हाथों–पैरों की हडियों मे सूजन आ जाती है और भयंकर दर्द होता है। दिन में 20 तीखी चेरी खाने से सूजन में लाभ होता है।

पुखराज की पहचान के कुछ उपाय

ज्योतिषशास्त्र में गुरू को ज्ञान, धन, मान–सम्मान, विवाह एवं संतान सुख प्रदान करने ग्रह कहा गया है। जिनकी कुण्डली गुरू की स्थिति कमज़ोर होती है उन्हें मान–सम्मान एवं धन संबंधी परेशानियों का सामना बार–बार करना पड़ता है। इनकी शिक्षा में भी बाधा आती है। ज्योतिषशास्त्र में बताया गया है कि गुरू के कमज़ोर होने की वजह से जीवन में आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए गुरू को मजबूत बनाना चाहिए। इसके लिए गुरू का रत्न पुखराज धारण करने की सलाह लगभग सभी ज्योतिषी बताते हैं। गुरू के शुभ होने पर भी गुरू का रत्न धारण करना अच्छा माना जाता है। गुरू ग्रह के शुभ फलों में वृद्धि करने की योग्यता होने की वजह से पुखराज की कीमत सामान्य रत्नों से काफी अधिक होती है। आमतौर पर बाजार में पुखराज की शुरूआत कीमत 1 हजार प्रति कैरेट होती है। इसके ऊपर पुखराज की गुणवत्ता के अनुसार इसकी कीमत बढ़ती रहती है। बहुत से रत्न व्यापारी अधिक मुनाफे की लालच में कोई भी पीला पत्थर पुखराज बताकर ग्राहक को पकड़ा देते हैं। इसलिए पुखराज खरीदते समय ठगे जाने की संभावना अधिक रहती है। अगर आप भी पुखराज खरीदने की सोच रहे हैं तो पुखराज पहचानने की सामान्य जानकारी अवश्य प्राप्त कर लेनी चाहिए। असली पुखराज की परख करने के लिए शीशे के एक ग्लास में गाय का दूध रखें। इसके अंदर पुखराज को डाल दें। अगर असली पुखराज होगा तो एक से डेढ़ घंटे में पुखराज की किरण ऊपर से छिटकती नजर आएगी। जब आप पुखराज खरीद रहे हों तो उसे हाथ में लेकर हिलाएं भार महसूस होगा।

हिंदी ही मिटा सकती है दूरियाँ, मानते थे गांधी

गांधी जी लगातार देशवासियों को विशेषकर द्रविड़ प्रदेश वालों को यह समझाते रहे कि हिंदी ही वह भाषा है जिसके जरिये आपसी दूरियां मिट सकती हैं। 25 मई, 1918 को हनुमंत राव को लिखे पत्र में उन्होंने कहा, तुम हिंदी का अध्ययन कर लोगे तो अपने काम का क्षेत्र व्यापक कर सकोगे।... मैं नहीं जानता कि तुम्हारा इस ओर ध्यान गया है या नहीं, मेरा तो गया ही है। द्रविड़ों और अन्य भारतीयों के बीच लगभग न पटने वाली खाई पड़ गयी है। निश्चय ही हिंदी भाषा उसे पाटने वाला छोटे–से–छोटा और कारगर सेतु है। अंग्रेजी कभी उसका स्थान नहीं ले सकती। हिंदी में कोई ऐसी अवर्णनीय वस्तु है, जिससे वह सीखने में आसान होती है।

हिंदी व्याकरण के साथ जितनी छूट ली जा सकती है, उतनी मैंने और किसी भाषा के व्याकरण के साथ ली जाती नहीं देखी। इसलिए मैं कहता हूं कि राष्ट्रीय काम करने के लिए हिंदी का ज्ञान नितांत आवश्यक है। इस पत्र में जो संदेश गांधी जी ने हनुमंत राव को दिया था, वह संदेश एक तरह से पूरे राष्ट्र के लिए था। द्रविड़ों और अन्य भारतीयों के बीच लगभग न पटने वाली खाई की बात करते हुए गांधी जी द्वारा शहिंदी भाषा को उसे पाटने वाला कारगर हेतुश बताना प्रकारांतर से हिंदी को राष्ट्रीय अखंडता के लिए आवश्यक समझने–समझाने का प्रमाण है।हिंदी को भारतवासियों के बीच कारगर सेतुश के रूप में प्रचारित करने का काम गांधी जी ने असहयोग आंदोलन के दौरान काफी जबर्दस्त ढंग से किया। 1920 में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध गांधी जी ने असहयोग आंदोलन पूरे देश में चलाया और उस दौरान समस्त देश में वे घूम–घूमकर राजनीतिक स्वाधीनता की चेतना के साथ–साथ अस्पृश्यता विरोधी जागरूकता, साम्प्रदायिकता एकता तथा राष्ट्रभाषा हिंदी की वांछनीयता का भी जी–जान से प्रचार करते रहे। सचमुच देखा जाए तो असहयोग आंदोलन के दौरान गांधी जी ने स्वदेशी के साथ–साथ राष्ट्रभाषा हिंदी के सवाल को भी राष्ट्रीय जागरण का अंग बना दिया। इस काम के लिए उन्होंने भाषणों, वक्तव्यों, पत्र–लेखन से लेकर दक्षिण भारत में हिंदी प्रचार सभा के कार्यों में अपने को झोंक दिया। जब भी मौका मिलता, वे दक्षिण भारतीयों से राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से हिंदी सीखने की अपील करते। 16 जून, 1920 के यंग इंडिया में उन्होंने लिखा, मुझे पक्का विश्वास है कि किसी दिन हमारे द्रविड भाई–बहन गंभीर भाव से हिंदी का अध्ययन करने लगेंगे। आज अंग्रेजी भाषा पर अधिकार प्राप्त करने के लिए

वे जितनी मेहनत करते हैं, उसका आठवां हिस्सा भी हिंदी सीखने में करें, तो बाकी हिंदुस्तान जो आज उनके लिए बंद किताब की तरह है, उससे वे परिचित होंगे और हमारे साथ उनका ऐसा तादात्म्य स्थापित हो जायेगा जैसा पहले कभी न था।

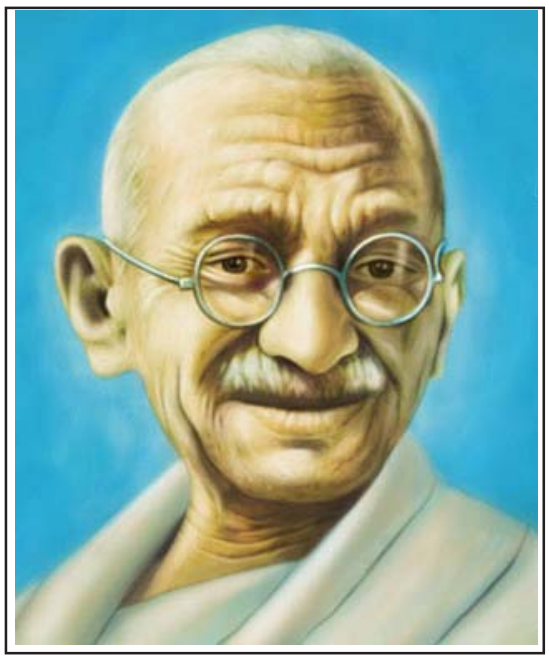

हिंदी के प्रचार को लेकर गांधी जी का ध्यान देश के दक्षिणी छोर की तरफ जितना था, उतना ही पूर्वी छोर की तरफ भी था। 13 दिसम्बर, 1920 को कलकत्ता में भाषण करते हुए गांधीजी ने कहा, श्यह निश्चित है कि सारे देश में जहां–कहीं देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों की मिली–जुली सभाएं और बैठकें होंगी, उनमें अभिव्यक्ति का राष्ट्रीय माध्यम हिंदी ही होगी।श 22 जनवरी, 1921 को जारी किए, अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा, जो बात मैं जोर देकर आपसे कहना चाहता हूं वह यह कि आप सबकी एक सामान्य भाषा होनी चाहिए, सभी भारतीयों की एक सामान्य भाषा होनी चाहिए, ताकि वे भारत में जिस हिस्से में भी जायें, वहां के लोगों से बातचीत कर सकें। इसके लिए आपको हिंदी को अपनाना चाहिए।

23 मार्च 1921 को विजयनगरम में राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा, हिंदी पढ़ना इसलिए जरूरी है कि उससे देश में भाईचारे की भावना पनपती है। हिंदी को देश की राष्ट्रभाषा बना देना चाहिए। हिंदी आम जनता की भाषा होनी चाहिए। आप चाहते हैं कि हमारा राष्ट्र एक ओर संगठित हो, इसलिए आपकी प्रान्तीयता के अभियान को छोड़ देना चाहिए। हिंदी तीन ही महीनों में सीखी जा सकती है। एक और बात ध्यान में रखने की है कि हिंदी के सवाल को गांधी जी केवल भावनात्मक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं मानते थे, अपितु उसे एक राष्ट्रीय आवश्यकता के रूप में भी देखने पर जोर देते थे। 10 नवम्बर, 1921 के यंग इण्डिया में उन्होंने लिखा हिंदी के भावनात्मक अथवा राष्ट्रीय महत्व की बात छोड़ दें तो भी यह दिन प्रतिदिन अधिकाधिक आवश्यक मालूम होता जा रहा है कि तमाम राष्ट्रीय कार्यकर्ताओं को हिंदी सीख लेनी चाहिए और राष्ट्र की तमाम कार्यवाही हिंदी में ही की जानी चाहिए।

इस प्रकार असहयोग आंदोलन के दौरान गांधी जी ने पूरे देश में हिंदी का राष्ट्रभाषा के रूप में प्रचार काफी जोरदार ढंग से किया और उसे राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, स्वाभिमान का पर्याय–सा बना दिया।

मार्च, 1922 में गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को जरूर स्थगित कर दिया, लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के प्रचार का उनका कार्य जारी रहा। 24 मार्च, 1925 को हिंदी प्रचार कार्यालय, मद्रास में बोलते हुए गांधीजी ने कहा, मेरी राय में भारत में सच्ची राष्ट्रीयता के विकास के लिए हिंदी का प्रचार एक जरूरी बात है, विशेष रूप से इसलिए कि हमें उस राष्ट्रीयता को आम जनता के अनुरूप साँचे में ढालना है। और सचमुच सच्ची राष्ट्रीयता के विकास के लिए गांधी जी जीवन–पर्यंत हिंदी के प्रचार–कार्य में लगे रहे।

राष्ट्रभाषा के दायरे से मेहनतकश वर्ग बाहर न रहे, इसका भी गांधी जी ने पूरा ध्यान रखा। 21 दिसम्बर, 1933 को पैराम्बूर की मजदूर सभा में बोलते हुए गांधी जी ने कहा, साथी मजूदरों, यदि आप सारे भारत के मजदूरों के दुःख–सुख को बांटना चाहते हैं, उनके साथ तादात्म्य स्थापित करना चाहते हैं, तो आपको हिंदी सीख लेनी चाहिए, जब तक आप ऐसा नहीं करते, तब तक उत्तर और दक्षिण भारत में कोई मेल नहीं हो सकता।

प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श पर्यटन स्थल है जाइरो

भारत का पूर्वोत्तर राज्य अपनी प्रा.तिक सुंदरता और बदलते मौसम की वजह से पूरे विश्वभर में अपनी पहचान रखता है। यहां की कला और हस्तशिल्प की भव्यय विरासत तथा रंग बिरंगे त्यौहार प्रकृति की अपार शक्ति में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। ऐसी ही एक जगह है अरुणाचल प्रदेश में समुद्री तल से 5754 फीट (1,780 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित जाइरो/जिरो, जो अपने सांस्तिक विरासत और मनमोहक दृश्य के लिए जाना जाता है। अपनी खूबसूरती की वजह से ही यह कस्बा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में नामांकित भी हुआ है। अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं। यह क्षेत्र अपनी धान की खेतों की वजह से भी काफी लोकप्रिय है। जाइरो पौधों और जन्तुओं के मामले में काफी धनी है तथा अपनी विविधता की वजह से प्र.ति प्रमियों के लिए आदर्श स्थान बनी हुई है।

जाइरो में आदिवासी लोगों का प्र.ति से इतना अधिक लगाव है कि वह प्र.ति को भगवान की तरह पूजते हैं और खुद को इससे जुड़ा हुआ पाते हैं। वहां के लोग खेतो के अलावा हस्तशिल्प तथा हैन्डलूम उत्पादों को बनाकर अपना जीवनयापन करते हैं। अन्य आदिवासी लोगों से अलग अपा टनी के लोग जाइरो क्षेत्र के स्थाई निवासी हैं। अपा टनी द्वारा मनाए जाने वाले कई पर्व हैं जिनमें मार्च में मनाया जाने वाला म्योको त्यौहार, जनवरी में मनाया जाने वाला मुरुंग त्यौहार और जुलाई का द्री त्यौहार प्रमुख हैं।

अगर आप जाइरो जाने की योजना बना रहे हैं तो आप हरी–भरी शांन्त टैली घाटी, 5000 हजार साल पुरानी मेघना गुफा मंदिर जा सकते हैं। यही नहीं खूबसूरत पक्षियों और सूर्योदय के खूबसूरत दृश्य देखना है तो आप किले पाखो भी जा सकते हैं। यह यहां का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

जाइरो के अन्य पर्यटक स्थल

thjk iV

इसे आर्मी पूटु के नाम से भी जाना जाता है। आजादी के बाद यहां पर अरूणाचल प्रदेश के पहले प्रशासनिक केन्द्र की स्थापना की गई थी। इसके बाद छठे दशक में यहां पर सेना के कैम्प का निर्माण भी किया गया। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से खूबसूरत .श्य भी देखे जा सकते हैं।

Mkyk ekMk

हपोली से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित डोलो–मांडो डोलो और मांडो के प्रेम–संबंध के लिए प्रसिद्ध है। यहां से जाइरो और हपोली शहर के खूबसूरत .श्य देखे जा सकते हैं।

rkjhu eNyh Qke

पर्यटकों के लिए पसंदीदा जगहों में से एक मछली फार्म हपोली से 3।5 किमी। की दूरी पर स्थित है। यह बहुत ही खूबसूरत जगह है। यहां आने वाले पर्यटक अनेक प्रजातियों की खूबसूरत मछिलयों को देख सकते हैं।

tkbjk dk ekSle

जाइरो की जलवायु मौसम के अनुसार बदलती रहती है। वैसे तो पर्यटक पूरे साल भर जाइरो जाते हैं लेकिन यदि आपको वहां के मनमोहक दृश्य को देखना है अक्टूबर तथा नवम्बर का महीना आपके लिए सही रहेगा।

www.sarasach.com
सारा सच Update
Web · Print · Media

lkjk lp ,d tfj;k gS nqfu;k dh lcls cMh ifl) lk'ky uVofdZx lkbV ij viuk dkjksckj dks cMs yoy ij c<kus ds fy, lkjk lp v[kckj@oscl kbV esa foKkiu nsdj viuh ifCyflVh djok,a D;ksafd lkjk lp us bu ij viuh iQkby@vkbMh cukdj viuh igpku cukbZ gS vkSj yksxksa dks viuk lkFk tksMdj ge'kk viMsV jgrk gSA
lEidZ djsa % $91&999&000&7067

E-mail : sarasach99@Gmail.com
JOIN-US Facebook Google Plus

व्यापार जगत

आईजीएल विस्तार के लिये ६०० करोड़ रुपये करेगी निवेश

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ गैस लि. (आईजीएल) हरियाणा के तीन शहरों में सीएनजी और पाइप के जरिये रसोई घर में गैस पहुंचाने समेत परिचालन के विस्तार पर चालू वित्त वर्ष में 600 करोड़ रुपये निवेश करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि आईजीएल सिटी गैस वितरण नेटवर्क (सीजीडी) स्थापित कर हरियाणा में अपना विस्तार करने को तैयार है। कंपनी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी और पाइप के जरिये प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करने वाली एकमात्र कंपनी है। बयान के अनुसार आईजीएल के चेयरमैन एस रमेश ने सालाना आम बैठक में अपने संबोधन में कहा कि कंपनी को हाल ही में हरियाणा में करनाल जिले के लिये सीजीडी लाइसेंस मिला। कंपनी रेवाड़ी में गैस की आपूर्ति शुरू कर चुकी है। साथ ही उसे गुरूग्राम में सीजीडी नेटवर्क बिछाने की मंजूरी मिली है। उन्होंने कहा, ''आईजीएल ने 2017–18 में 600 करोड़ रुपये के निवेश से अपने परिचालन के विस्तार की योजना बनायी है।'' कंपनी ने 2016–17 में 81 नये सीएनजी स्टेशन जोड़े। इसके साथ उसके सीएनजी स्टेशन की संख्या 421 पहुंच गयी। रमेश के अनुसार कंपनी ने 2016–17 में 1,05,000 नये घरेलू पीएनजी ग्राहक जोड़े। बयान के अनुसार कंपनी के शेयरधारकों ने सालाना आम बैठक में 50 प्रतिशत अंतिम लाभांश की मंजूरी दी। यह 35 प्रतिशत अंतरिम लाभांश के अलावा है।

हिंदी भाषा भी समझेगा एपल का नया आईफोन

नवी मुंबई। एपल का नया आईफोन हिंदी भाषा भी समझेगा और उसे हिंदी में 'कमांड' दी जा सकेंगी। इस बीच दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने नये आईफोन खरीदने वालों के लिए पुनर्खरीद पर 70 प्रतिशत तक छूट की पेशकश की है। एपल के प्रमुख टिम कुक ने एक वीडियो संदेश में कहा,'हमने भारत के लिए एक नया कीबोर्ड बनाया है और अब हम 11 स्थानीय भाषाओं को समर्थन करेंगे। आईफोन को अब हिंदी में भी निर्देश दिए जा सकेंगे।'कुक का यह संदेश यहां रिलायंस जियो के कारपोरेट मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सुनाया गया। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली जियो ने एपल के साथ गठजोड़ में नये आईफोन के लिए अनेक पेशकशों की घोषणा की है। इसके तहत बायबैक योजना में वह एक साल बाद मोबाइल अपग्रेड करने पर ग्राहकों को 70 प्रतिशत तक छूट देगी। जियो के निदेशक आकाश अंबानी ने इस अवसर पर कहा,'हम आईफोन 8, 8 प्लस व आईफोन एक्स के लिए एक साल बाद 70 प्रतिशत पुनर्खरीद पेशकश का वादा करते हैं। इसके लिए ग्राहकों को रिलायंस जियो का 799 रुपये मासिक या इससे अधिक कीमत वाला प्लान लेना होगा।'एपल का नया स्मार्टफोन आईफोन 8 व आईफोन 8 प्लस बाजार में आ रहा है। इसकी शुरूआती कीमत 64000 रुपये है। जियो के बयान में कहा गया है कि उसकी इस पेशकश से आईफोन किफायती ही नहीं होगा बल्कि ग्राहकों के पास पुनर्खरीद योजना के जरिए नये माडल पाने का भी मौका होगा।

Kumar Associates

Soliciter & Advisor (Legal)

Delhi District Court & High court

Karanjeet Kumar (Advocate)

H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395
VARUN
Canvas-Company
Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. In : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover
12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION
ANTI-TERMITE TREATMENT
Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)
WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI,
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

fQYe txr

सदाबहार अभिनेता थे देवानंद

दर्जनों कालजई फ़िल्मों के महानायक देवानंद, जीवन पर्यंत अलमस्त रहने वाले देवानंद अपने जीवन के आख़िरी दिनों तक फ़िल्मों में सक्रिय रहे और फ़िल्मी दुनिया को एक से बढ़कर एक फ़िल्में दीं। 88 वर्ष की आयु में भी चिरयुवा रहे देवानंद को उनकी फिल्मों और उनके सदाबहार अभिनय के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

फिल्म अभिनेता के तौर पर देवानंद ने अपने कॅरियर की शुरुआत वर्ष 1946 में 'हम एक हैं' फिल्म से की थी। वर्ष 1947 में उनकी फ़िल्म 'ज़िद्दी' प्रदर्शित हुईई और इसके बाद बॉलीवुड पर देवानंद की सफलता का परचम लहरा चुका था और वह हिन्दी फ़िल्मों के चर्चित नायक हो गये थे। 'ज़िद्दी' के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सदाबहार अभिनेता देवानंद ने 'पेइंग गेस्ट', 'बाज़ी', 'ज्वैल थीफ़', 'सीआईईडी', 'जॉनी मेरा नाम', 'अमीर गरीब', 'वारंट', 'हरे राम हरे कृष्ण' और 'देस परदेस' जैसीई हिट फिल्में दीं। भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले देवानंद वर्ष 2001 में प्रतिष्ठित 'पदमभ्‍ भूषण' सम्मान से विभूषित किए गए और 2002 में उन्हें 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया गया। उन्होंने वर्ष 1949 में अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'नवकेतन इंटरनेशनल फिल्म' की स्थापना की और 35 से ज्यादा फिल्मों का निर्माण किया। अलमस्त देवानंद ने फ़िल्मों में अपने जोरदार अभिनय के लिए दो फिल्मफेयर पुरस्कार जीते, एक वर्ष 1958 में 'काला पानी' के लिए और दूसरा 1966 में 'गाइड' में अपने अभिनय के लिए। 'गाइड' को 'सर्वश्रेष्ठ फिल्म' और 'सर्वश्रेष्ठ निर्देशक' सहित पांच श्रेणियों में फिल्मफेयर पुरस्कार मिले और उस वर्ष ऑस्कर की विदेशी फिल्म की श्रेणी में भारत की तरफ से यह फिल्म भेजी गयी थी। उन्होंने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित पर्ल एस बक के साथ 'गाइड' के अंग्रेजी संस्करण का 'द गुड अर्थ' का सह निर्माण भी किया।

वर्ष 1993 में उन्हें फिल्मफेयर 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' और 1996 में स्क्रीन वीडियोकॉन 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। बाद में उन्होंने अमेरिकी फिल्म 'सांग ऑफ लाइफ' की निर्देशन भी किया। प्रेम कहानी पर आधारित इस संगीतमय फिल्म की शूटिंग अमेरिका में हुयी। फिल्म में मुख्य भूमिका देवानंद ने निभाई जबकि अन्य सभी कलाकार अमेरिकी थे। देवानंद तीन भाई थे। उनके भाई चेतन आनंद और विजय आनंद है। उनकी बहन का नाम शीलकांता कपूर है जो प्रख्यात फिल्म निर्देशक शेखर कपूर की मां हैं।

फोटोनिक्स में उज्जवल भविष्य

फोटोनिक्स को 21वीं सदी की वह तकनीक है जिसके बढ़ते उपयोग की वजह से इस क्षेत्र में कैरियर की भरपूर संभावनाएं हैं। इस फील्ड की खास बात यह है कि आने वाले समय के साथ यहां कैरियर की संभावनाओं में और इजाफा होना तय है। इस फील्ड में कैरियर बनाने की चाह रखने वाले युवाओं के लिए जरूरी है कि फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स सब्जेक्ट पर उनकी अच्छी पकड़ हो। साथ ही उनमें जिज्ञासा की भावना कूट–कूट कर भरी हो। आइए जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में विस्तार से:

QkVkfuDl dk mi;kx

फोटोनिक्स का विकास ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स के फ्यूजन से हुआ है। इसमें प्रकाश को उत्पन्न करना, उसे निकालना और एक जगह से दूसरी जगह पर भेजना आदि शामिल है। लेजर ट्रीटमेंट, टेलीकम्युनिकेशन, माइक्रोस्कोपी, एडवांस स्पेक्ट्रोस्कोपी, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी आदि कई फील्ड हैं, जिनमें फोटोनिक्स की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। मेडिकल साइंस में फोटोनिक्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है, खासकर सर्जरी में। इसमें लेजर की मदद से बिना रक्तस्राव और चीर–फाड़ के सर्जरी की जाती है। इस तकनीक में एक ओर तकलीफ कम होती है, दूसरी ओर रिकवरी जल्दी होती है।

;kX;rk

देश के कई इंस्टीट्यूट में फोटोनिक्स की स्टडी कराई जा रही है। इस सब्जेक्ट में ग्रेजुएशन के लिए मैथ्स, केमिस्ट्री और फिजिक्स के साथ 12वीं पास होना जरूरी है, जबकि पीजी लेवल पर एंट्री के लिए मैथ्स और फिजिक्स के साथ ग्रेजुएशन जरूरी है।

सारा सच अपडेट हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए

Subscription From / lnL;rk xzg.k QkWe

नाम : ....
पता : ....
शहर : ....पिन : ....
फोन : .... मोबाइल : ....
ईमेलः ....

समयावधि : एक वर्षः 100/–..............तीन वर्ष : 300/– ....
पांच वर्ष : 500/–...........आजीवन : 3000/– ....

भुगतान : नकद ....डीडी/चैक..........................

ukV % o"kZ ,d@rhu@ikp dh lnL;rk d fy, MhMh@pd ij 50@&vfrfjDr cd pkt tkMdj nuk gkxkA
Qke lkQ lkQ Hkjdj lkjk lp viMV d uke MhMh@pd d Qke d lkFk fuEu ir ij Hkst ;k d"k vkfQl e tek djk,] Qke vki www.sarasach.com / join-us/ l dkih dj ldr gA

irk % 12@596] xyh ucj&2] oLV x: vxn uxj] fu;e Kku dt dkykuh]
y{eh uxj] fnYyh&92

bl&ey & sarasach99@gmail.com,
info@sarasach.com
ekckby % 999&000&4667 &7067 Qku% 011-65100636

RICHFEEL®
TRICHOLOGY CENTRE
Hair And Scalp Clinic

Malaika Arora Launches Revolutionary Hair Reducing Technology for Rich Feel

Mumbai, 7th September 2017 : RichFeel, the pioneer of trichology in india providing expertise in hair and personal care has unveiled renowned Bollywood actress Malaika Arora as the face of the brand and introduced Europe's most advanced laser hair reduction technology called Ice Cube 2.0. A revlutionary Cool Bruch Hair Reduction Treatment that cools the skin while it makes it silky.

This prestigious launch event was held on 7th September 2017 at Taj Lands End, Mumbai in presence of Malaika Arora along with Dr. Apoorva Shah, Founder, Richfell & Dr. Sonal Shah, Co-founder, RichFeel respectively.

Speaking about the development, **Dr. Apoorva Shah, Founder, RichFeel** said, "We timed the launch of this breakthrough service of Rifchfeel with beginning our association with Malaika Arora. This is a moment of immense pride for us as we believe that the legacy of RichFeel is crowned by getting her on board. Malaika Arora will be the national brand ambassador for all RichFeel products and services. "

"Malaika Arora shares the missionary zeel and a true portrayal of our vision of being sprightly and successful. Our association is the right fit with many common factors and I am sure this alliance will emphasize RichFeel as the best choice for our patrons." He said.

"There is a great sense of excitement in the company, combining our powerful skill and knowledge with Malaika's glamour and allure." Said, **Dr. Sonal Shah, Co-founder, RichFeel.**

Speaking on the association, **Actress Malaika Arora Said,** "I'm clear I will only be associated with the branda that meet my standards of excellence. RichFeel is definitely the brand of my choice. They know hair better than anyone I have spoken to either in india or abroad. Their product quality is something I would be proud to be associated with. Their mission of beauty through healthy hair is very relevant to the young country we are. I am working closely with them on my ideas too After All, who knows hair better than RichFeel?"

For over 30 years, RichFeel have been bringing the most advance hair solutions to india. It is common knowledge that when it comes to hair the first thought that comes to mind is RichFeel. From their research labs in Italy and Switzerland, RichFeel have been reforming continuously. Te benefit of these advancements has been enjoyed by celebrities and other patrons in countless cities across the length and breadth of India. RichFeel has created beautiful hair for beautiful people. closely associated with the femina Miss India contests, RichFeel has transformed some of India's most breathtaking women such as Celina Jaitely. While RichFeel is associated with hair health and abundance, this new products is in the area of hair reduction.

"We deal with hair solution in all forms. Our job is to make anything to do with hair better and more comfortable. RichFeel is happy to provide the most comfortable way to remove body hair in the fewest sessions with the best results to its patrons to its patrons through Richfeel's Ice Cube 2.0 is the only product of its kind in india" Said, **Dr. Apoorva Shah**.

About RichFeel:

Founded by Dr. Apoorva Shah and Dr. Sonal Shah, RichFeel have been providing expertise in hair, beauty and personal care for over 30years now. With consistent growth and rapid expansion, RichFeel is acclaimed as a pan India Company, spread across 29 cities. The chain of the brand comprises of 83 centres including owned clinics and successful franchises.

These centres treat all major and minor hair and scalp problems through patented treatments and tricho-active medicines. With its state-of-the-art manufacturing facility and infrastructure, It offers a wide range of effective personal care products from food supplements, shampoos, cream, facial kits, cleansers, oils, lotions and much more.

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा आला प्रिंटिंग प्रैस, 3636, कटरा दीना बेग, लाल कुआँ, दिल्ली–110006 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित। संपादक **: सलीम अहमद**. सारा सच अपडेट पाक्षिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।